नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 209
दि. 30.11.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

यूपी अब उपद्रव प्रदेश नहीं, उत्सव प्रदेश बन गया है, अपराधियों के लिए जीरो टॉलरेंस नीति सख्ती से लागू: सीएम योगी

कब्जा करने वालों की इतनी कुटाई हुई है कि....', सीएम योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तंज कसा है। अपराधियों के लिए जीरो टॉलरेंस नीति सख्ती से लागू है।

(जीएनएस)।

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "ये नया भारत अब विकसित भारत के संकल्प की ओर आगे बढ़ चुका है और जब भारत आगे बढ़ेगा तो उत्तर प्रदेश अपने आप को रोक नहीं सकता। जब उत्तर प्रदेश आगे बढ़ेगा तो गोरखपुर भी आगे बढ़ेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश आजादी के बाद से लगातार उपेक्षित था, माफियागिरी ने यहां के निवेश को चौपट कर दिया था... लेकिन 2017 में हमारी सरकार आने के बाद बेहतरीन कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, आदि के कारण आज निवेशक तेजी से यहां आ रहे हैं

सीएम योगी ने कहा, "सपा कांग्रेस के लोग व्यापारियों की जमीन पर कब्जा करते थे, हमारी सरकार में कब्जा करने वालों की जम कर कुटाई

हुई है और माफिया-कर्फ्यू गायब हो गए हैं, दंगे-अराजकता बंद हो गई है। उत्तर प्रदेश आज दंगामुक्त होकर उत्तम प्रदेश बन गया है। यूपी अब उपद्रव प्रदेश नहीं उत्सव प्रदेश कहलाता है।

उत्तर प्रदेश में भले ही विधानसभा चुनाव 2027 होगा लेकिन उससे पहले ही सीएम योगी आदित्यनाथ विभिन्न मंचों से एक बार फिर बुलडोजर बाबा वाली छवि को पेश करते दिख रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि जो दंगा करेंगे, डंडा उन्हीं के लिए है। उनके इस बयान ने ही पिछले चुनाव में सीएम योगी की छवि और उनका चुनावी नारा 'बुलडोजर बाबा' ही गढ़ दिया।

बुलडोजर बाबा की मिली उपाधि

सीएम योगी ने कभी कहा था, माफियाओं को गाड़ देंगे। अगर कोई प्रदेश में शांति व्यवस्था को भंग करने का प्रयास करेगा, कानून से खिलवाड़ करेगा तो उसे भी कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए।

ऐसे माफियाओं के खिलाफ सरकार का बुलडोजर हमेशा गरजेगा। दंगाइयों की संपत्ति पर हर हाल में बुलडोजर चलेगा। ऐसे अपराधियों को प्रदेश में पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के एक्शन का परिणाम हैं कि कथित दुर्दांत गले में तख्तियां लटकाए थानों के बाहर मिलते हैं।

आपके हस्तक्षेप की जरूरत... दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए किरण बेदी ने पीएम मोदी से कर दी ये अपील

राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर एक ओर जहां कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा जा रहा है तो वहीं दिल्ली में विपक्षी दल आम आदमी पार्टी भी सवाल खड़े कर रही है। इस बीच पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किरण बेदी ने प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

नई दिल्लीः (जीएनएस)। राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर विपक्षी दल केंद्र व दिल्ली सरकार पर निशाना साध रहे हैं और इस बीच पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किरण बेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। प्रधानमंत्री से उनकी ये अपील ऐसे वक्त आई है जब दिल्ली के कई इलाकों में कुल वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के करीब है जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। किरण बेदी ने प्रधानमंत्री से 'मन की बात' संबोधन में भी इस मुद्दे को उठाने की मांग की।

किरण बेदी ने पोस्ट के जरिए लिखा कि मुझे फिर से विनती करने के लिए क्षमा करें।

मैंने पुडुचेरी में बतौर उपराज्यपाल अपने कार्यकाल के दौरान आपके बेहद प्रभावी जूम सत्र देखे हैं। कैसे आपने सभी को कई राष्ट्रीय चुनौतियों का समयबद्ध तरीके से सामना करने के लिए प्रेरित किया। कैसे सभी को समय सीमा और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

नितिन गडकरी ने बताया मुंबई से दिल्ली का सफर 12 घंटे में कब होगा पूरा, दिया अपडेट

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है। अब

खुद केंद्रीय मंत्री ने इसे लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को तेजी से पूरा करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। हाल ही में उन्होंने हाल ही में सूरत में इस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया है। इस दौरान गडकरी ने गुजरात से गुजरने वाले एक्सप्रेसवे सेक्शन की प्रगति का जायजा लिया और कहा कि प्रोजेक्ट की सभी अड़चनें दूर की जा रही हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है और इसे तय समय में पूरा करना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के टेम्पल इकॉनमी के विजन के तहत ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा

आध्यात्मिक पर्यटन और रोजगार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के योगी सरकार के अभियान की बरेली में रफ्तार तेज हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के राज्य सेक्टर मद में शहर के दो प्रमुख मंदिर सीताराम झरोखा मंदिर और बड़ा बाग हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास को पंख लगेंगे।

(जीएनएस)।

बरेली। आध्यात्मिक पर्यटन और रोजगार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के योगी सरकार के अभियान की बरेली में रफ्तार तेज हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के राज्य सेक्टर मद में शहर के दो प्रमुख मंदिर सीताराम झरोखा मंदिर और बड़ा बाग हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास को पंख लगेंगे। शासन ने प्रस्तावित योजनाओं को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है और इसी महीने वित्तीय स्वीकृति के साथ

बजट आवंटन की संभावना है। उपनिदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा भेजे गए लगभग 6.78 करोड़ रुपये के दो बड़े एस्टीमेट को हरी झंडी मिलने के बाद नाथ नगरी के धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले नाथ कॉरिडोर के काम को भी नई गति मिलेगी। इसके बाद मंदिरों के सौंदर्यीकरण, संरचनात्मक विकास और पर्यटन सुविधाओं का काम तेजी से शुरू हो जाएगा।

सीताराम झरोखा मंदिर, 3.13 करोड़ः शासन ने श्रीराम जानकी मंदिर (सीताराम मंदिर) के पर्यटन विकास के लिए भेजे गए 3.13 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। जल्द ही बजट आवंटन के बाद कार्य शुरू हो जाएगा। यह मंदिर नाथ कॉरिडोर की महत्वपूर्ण कड़ी है।

महाराष्ट्र में आधार कार्ड को लेकर बदला नियम, कैंसिल होंगे ये लाखों बर्थ सर्टिफिकेट

महाराष्ट्र सरकार ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने संबंधी नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब राज्य में बर्थ सर्टिफिकेट के लिए आधार कार्ड को अनिवार्य दस्तावेज नहीं माना जाएगा। इसका अर्थ है कि केवल आधार कार्ड दिखाकर किसी व्यक्ति का जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं होगा। महाराष्ट्र सरकार ने ये कदम फजीर्वाड़ा रोकने के लिए उठाया है। इतना ही नहीं धोखाधड़ी वाले जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों को रद्द करने और मूल प्रतियों को वापस लेने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने राज्यव्यापी अभियान शुरू करने का निर्देश जारी किया है। बड़े पैमाने पर दुरुपयोग की खबरों के बाद यह कदम उठाया गया है।

इस नई व्यवस्था के तहत, अगस्त 2023 के अधिनियम संशोधन के बाद, ऐसे सभी जन्म प्रमाण पत्र रद्द कर दिए जाएंगे जो सिर्फ आधार कार्ड के आधार पर बनाए गए थे। यह कदम जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में अधिक सख्ती और सटीकता लाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बर्थ सर्टिफिकेट से हो रहा था ये सारा फजीर्वाडा

मंत्री बावनकुले ने कहा, "जाली जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों का दुरुपयोग सरकारी लाभ हथियाने, भूमि पर अतिक्रमण करने और यहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर नागरिक-सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण है : मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में बोले रक्षा मंत्री

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने युवा नागरिक सेवकों से राष्ट्रीय हितों की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को समझने और वीर सैनिकों की तरह ही ऐसी कठिन परिस्थितियों के लिए सदैव तैयार रहने का आ'ान किया। रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर नागरिक-सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां प्रशासनिक मशीनरी ने सशस्त्र बलों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण सूचनाओं का संचार किया और जनता का विश्वास जीता। रक्षा मंत्री ने 29 नवंबर, 2025 को उत्तराखंड के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के

समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, सशस्त्र बलों ने संतुलित और बिना किसी उकसावे के जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया, लेकिन पड़ोसी देश के दुर्व्यवहार के कारण ही सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं हो पाई। उन्होंने सैनिकों की वीरता की सराहना की और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना करते हए कहा कि उन्होंने महत्वपूर्ण सूचनाओं का संचार किया और देश भर में मॉक ड्रिल का सफल संचालन सुनिश्चित किया। रक्षा मंत्री ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लिए शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया।

चौथे नीलगिरि श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) स्वदेशी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' को सौंपा गया

(जीएनएस)।

नीलगिरि श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का चौथा और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरा जहाज, तारागिरि (यार्ड 12653), 28 नवंबर 2025 को एमडीएल, मुंबई में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया, जो युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रोजेक्ट 17ए के फ्रिगेट बहुमुखी बहु-मिशन प्लेटफॉर्म हैं, जिन्हें समुद्री क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

तारागिरी, पूर्व आईएनएस तारागिरी का एक नया रूप है, जो एक लिएंडर-श्रेणी का युद्धपोत था और 16 मई 1980 से 27 जून 2013 तक भारतीय नौसेना के बेड़े का हिस्सा रहा और जिसने राष्ट्र को 33 वर्षों की शानदार सेवा प्रदान की। यह अत्याधुनिक युद्धपोत नौसेना के डिजाइन, स्टेल्थ, मारक क्षमता, स्वचालन और उत्तरजीविता में एक बड़ी छलांग को दर्शाता है, और युद्धपोत निर्माण में

आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन और युद्धपोत निरीक्षण दल (मुंबई) की देखरेख में निर्मित, पी17ए फ्रिगेट स्वदेशी जहाज डिजाइन, स्टेल्थ, उत्तरजीविता और युद्ध क्षमता में एक पीढ़ीगत छलांग को दर्शाते हैं। एकीकृत निर्माण के दर्शन से प्रेरित होकर, इस जहाज का निर्माण और वितरण निर्धारित समय-सीमा में किया गया।

पी17ए जहाजों में पी17 (शिवालिक) श्रेणी की तुलना में उन्नत हथियार और सेंसर सूट लगे हैं। इन जहाजों में संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र लगे हैं, जिनमें एक डीजल इंजन और एक गैस टर्बाइन शामिल है जो प्रत्येक शाफ्ट पर एक नियंत्रणीय पिच प्रोपेलर (सीपीपी) और अत्याधुनिक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) को चलाता है।

शक्तिशाली हथियार और सेंसर सूट में ब्रह्मोस एसएसएम, एमएफएसटीएआर और एमआरएसएएम कॉम्प्लेक्स, 76 मिमी एसआरजीएम, और 30 मिमी और 12.7 मिमी निकटरक्षा हथियार प्रणालियों का संयोजन, साथ ही पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए रॉकेट और टॉरपीडो शामिल हैं।

तारागिरी पिछले 11 महीनों में भारतीय नौसेना को सौंपा जाने वाला चौथा पी17ए जहाज है। पहले दो पी17ए जहाजों के निर्माण से प्राप्त अनुभव के आधार पर तारागिरी के निर्माण की अवधि को घटाकर 81 महीने कर दिया गया है, जबकि प्रथम श्रेणी (नीलगिरी) के निर्माण में 93 महीने लगे थे। प्रोजेक्ट 17ए के शेष तीन जहाज (एक एमडीएल में और दो जीआरएसई में) अगस्त 2026 तक क्रमिक रूप से वितरित किए जाने की योजना है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गुजरात वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (जीसीसीआई) के वार्षिक स्नेहमिलन में उपस्थित रहे

(जीएनएस)।

गांधीनगर,29 नवंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को अहमदाबाद में आयोजित गुजरात वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (जीसीसीआई) के वार्षिक स्नेहमिलन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रयासों से अहमदाबाद को कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी मिली है, जो अहमदाबाद मां विकास के नए बेंचमार्क सेट करेगी। इतना ही नहीं; इससे वर्ष 2036 में गुजरात में ओलंपिक खेलों के आयोजन के द्वार भी खुले हैं।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री की कार्यशक्ति के फल गुजरात को सदा-सर्वदा मिलते रहे हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने हर क्षेत्र की क्षमता पहचान कर राज्य में व्यापार-उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण, आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित ढाँचागत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की थी, जिसके परिणामस्वरूप गुजरात आज देश का ग्रोथ इंजन बना है।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2035 में गुजरात@75 की चर्चा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के दिखाए मार्ग पर चलकर विकसित भारत@2047 के प्रधानमंत्री के सपने में गुजरात नए चिह्न अंकित करेगा ही।

राज्य की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए श्री पटेल ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में हर क्षेत्र के विकास की नींव डाली थी, जिसके कारण आज गुजरात में चिप से लेकर शिप तक का उत्पादन हो रहा है। सबको साथ रखकर राज्य को विकास के मार्ग पर अग्रसर रखने के लिए प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'लोकल फॉर ग्लोबल' मंत्र का अनुकरण राज्य में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट का प्रारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण में जीसीसीआई सहित व्यापार-उद्योगों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण के लिए राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने में सभी से स्वदेशी का मंत्र अपना कर अपना योगदान देने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों से जीसीसीआई द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले जीसीसीआई एन्युअल ट्रेड एक्सपो के द्वितीय संस्करण गेट (जीएटीई)-2026 के लोगो का अनावरण तथा पू. ज्ञानवत्सल स्वामी लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने विकसित भारत के सपने को पूरा करने में भारतीय रेल एवं गतिशक्ति विश्वविद्यालय के योगदान को महत्वपूर्ण बताया

(जीएनएस)।

माननीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने आज वडोदरा स्थित गतिशक्ति विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कांफ्रेंस हॉल में गतिशक्ति विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं वडोदरा मंडल के अधिकारिओं को सम्बोधित किया। श्री रवनीत सिंह ने गतिशक्ति विश्वविद्यालय की टीम एवं वडोदरा मंडल के अधिकारिओं से माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान, समर्पण और प्रतिबद्धता का आवाहन किया। उन्होंने वडोदरा मंडल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसे बेस्ट डिवीजन बताया।

इस बैठक में गतिशक्ति विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर प्रोफेसर मनोज चौधरी ने माननीय रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह को प्रेजेंटेशन के माध्यम से गतिशक्ति विश्वविद्यालय की प्रगति और अचीवमेंट की जानकारी दी। प्रोफेसर चौधरी ने माननीय राज्य मंत्री को बताया कि परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में भारत का अग्रणी विश्वविद्यालय, गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी), 2022 में संसद के अधिनियम द्वारा एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। रेल मंत्रालय (भारत सरकार) के अधीन कार्यरत, यह

विश्वविद्यालय रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, विमानन, समुद्री, नौवहन, अंतदेर्शीय जलमार्ग, शहरी परिवहन और संपूर्ण रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क सहित संपूर्ण परिवहन क्षेत्र को कवर करता है। विश्वविद्यालय के चांसलर श्री अश्विनी वैष्णव (केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री) हैं।

प्रोफेसर चौधरी ने आगे बताया कि हाल ही में एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सफ्रान ने विमानन और एमआरओ क्षेत्र के लिए इंडस्ट्री रेडी पेशेवरों को तैयार करने के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। इस टडव के माध्यम से, जीएसवी ने अपने विमानन इंजीनियरिंग कार्यक्रम में विशेष लीप इंजन पाठ्यक्रमों को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों को अत्याधुनिक एयरोइंजन प्रौद्योगिकियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने गतिशक्ति विश्वविद्यालय की प्रगति की जानकारी देते हुए यह भी बताया कि एयरबस और ऋश सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल के लिए जॉइंट स्टडी करेंगे।

वडोदरा मंडल के रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने माननीय रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह को प्रेजेंटेशन के माध्यम से वडोदरा मंडल की प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। श्री भडके ने पैसेंजर रिवेन्यू , टिकट चेकिंग आदि में मंडल द्वारा अर्जित गए नए कीर्तिमान, मंडल में लोडिंग के नए ट्रैफिक, गैर किराया राजस्व के जरिये यात्री सुविधाओं, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत सामाजिक संघटनों एवं गैर सरकारी संघटनों द्वारा उपलब्ध कराई गयी यात्री सुविधाओं आदि की जानकारी दी।

श्री भडके ने दिवाली और छठ पर यात्री सुविधाओं के लिया मंडल द्वारा किये गए क्राउड मैनेजमेंट एवं ट-वळर जैसे अन्य विशेष प्रयासों तथा जनप्रतिनिधियों के मांग पर मंडल द्वारा शुरू की गयी नयी ट्रेनों एवं विभिन्न स्टेशनों के अतिरिक्त स्टॉपेज की भी जानकारी दी। उन्होंने माननीय रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह को अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत मंडल के स्टेशनों पर चल रहे कार्यों एवं मंडल पर चल रही विकास परियोजनाओं से भी अवगत कराया।

इस बैठक में गतिशक्ति विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर श्री मनोज चौधरी सहित संकाय सदस्यों, वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अश्विनी वैष्णव और गजेंद्र सिंह शेखावत ने नई जैसलमेर-दिल्ली (शकूर बस्ती) रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई; नई रेल सेवा 'स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस' नाम से संचालित की जाएगी

नई ट्रेन सेवा जैसलमेर और राजस्थान के प्रमुख शहरों को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़कर यात्रा को बदलने के लिए तैयार है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, सेवाओं तक पहुंच बढ़ेगी और क्षेत्रीय विकास होगा।

राजस्थान में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से 85 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य प्रगति पर हैः अश्विनी वैष्णव

(जीएनएस)।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज जैसलमेर स्टेशन से नई जैसलमेर-दिल्ली (शकूर बस्ती) रेल सेवा की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री वैष्णव ने जनभावना को देखते हुए घोषणा की कि जैसलमेर-दिल्ली (शकूर बस्ती) एक्सप्रेस का नाम स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस रखा जाएगा।

जैसलमेर-दिल्ली (शकूर बस्ती) जैसलमेर एक्सप्रेस के शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी और राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र के बीच रेल संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रामदेवरा, जोधपुर, मकराना, जयपुर और अलवर जैसे शहर अब राष्ट्रीय राजधानी से अधिक आसानी और सुविधा से जुड़ जाएँगे।

यह नई सेवा उन्नत चिकित्सा और शैक्षिक सुविधाओं तक आसान पहुँच प्रदान करेगी, प्रमुख पर्यटन स्थलों से संपर्क में सुधार लाएगी और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। एक विश्वसनीय और सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करके यह ट्रेन निवासियों, पर्यटकों, छात्रों और व्यवसायों सभी को समान

रूप से लाभान्वित करेगी और क्षेत्रीय गतिशीलता और विकास को मजबूत करेगी।

श्री वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय रेल तेजी से प्रगति कर रही है और प्रतिदिन नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय रेल अपनी विकास यात्रा को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजस्थान में रेलवे विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं और लगभग 55,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ वर्तमान में प्रगति पर हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल नेटवर्क के विस्तार के अंतर्गत अनूपगढ़ से खाजूवाला, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और भाभर तक एक नई लाइन का प्रस्ताव विभिन्न चरणों में है। इन लाइनों के निर्माण से न केवल आम जनता को लाभ होगा बल्कि सशस्त्र बलों के लिए रणनीतिक सहायता में भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि 2014 से पहले राजस्थान के लिए वार्षिक बजट आवंटन केवल लगभग 680 करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर लगभग 10,000 करोड़ रुपये हो गया है। पोकरण स्टेशन पर रेल सुविधाओं के बारे में उन्होंने कहा कि रामदेवरा-पोकरण वाया भैरव गुफा और कैलाश टेकरी नई रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के बाद इस स्टेशन पर सभी ट्रेनें रुकेंगी। उन्होंने अधिकारियों को इस लाइन का काम त्वरित गति से करने के निर्देश भी दिए।

श्री वैष्णव ने जैसलमेर स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार के निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को कोचिंग डिपो के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि जैसलमेर से और अधिक रेलगाड़ियाँ संचालित की जा सकें।

श्री वैष्णव ने जैसलमेर स्टेशन के पुनर्विकास के बारे में कहा कि इसका कायाकल्प 140 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से 85 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। राजस्थान में रेलवे के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए, छह जोड़ी वंदे भारत ट्रेनें और एक जोड़ी अमृत भारत ट्रेन सहित अन्य सेवाएँ संचालित की जा रही हैं और पिछले छह महीनों में इस ट्रेन सहित आठ नई ट्रेनें शुरू की गई हैं। उन्होंने जैसलमेर और जोधपुर के बीच ट्रैक नवीनीकरण कार्य को प्राथमिकता से करने के भी निर्देश दिए।

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम के दौरान श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में सांसद श्री उम्मेदा राम बेनीवाल, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी और विधायक श्री छोटू सिंह ने भी अपने संबोधन में नई रेल सेवा और रेलवे विकास कार्यों के लिए श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

शरदकालीन सत्र 2025 - प्रशिक्षण पूर्णता परेड

(जीएनएस)।

29 नवंबर 2025 को भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला में एक भव्य प्रशिक्षण पूर्णता परेड (पीओपी) आयोजित की गई । कुल 232 प्रशिक्षुओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने प्रारंभिक प्रशिक्षण की समाप्ति का संकेत देते हुए उत्तीर्णता प्राप्त की, जिसमें 109वें भारतीय नौसेना अकादमी पाठ्यक्रम के मिडशिपमैन , 39वें नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम (विस्तारित) , 40वें नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम (विस्तारित) , 41वें नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम (नियमित और तटरक्षक) और 42वें नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम (मित्र विदेशी देश) के कैडेट शामिल थे। प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके समूह में सात मित्र विदेशी देशों (बांग्लादेश, श्रीलंका, वियतनाम, मालदीव, म्यांमार, मोजाम्बिक, सेशेल्स) के 18 कैडेट शामिल थे , जो अकादमी की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति को दशार्ता है।

परेड का निरीक्षण चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने किया । उन्होंने इस औपचारिक उपलब्धि के दौरान मिडशिपमैन और कैडेट्स को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। निरीक्षण अधिकारी के साथ उनकी पत्नी कल्याण संघ की अध्यक्ष श्रीमती अनुपमा चौहान भी मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, आईएनए के कमांडेंट वाइस एडमिरल मनीष चड्ढा, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और

विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए : -

(क) भारतीय नौसेना अकादमी बी.टेक पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक मिडशिपमैन विशेष कुमार को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया - जो आईएनए के समावेशी और विश्व स्तरीय प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को रेखांकित करता है।

(ख) नौसेनाध्यक्ष रजत पदक मिडशिपमैन शौर्य आदित्य प्रजापति को प्रदान किया गया। कमांडेंट चैंपियन स्क्वाड्रन बैनर अचीवर स्क्वाड्रन को शैक्षणिक, सेवा विषयों, आउटडोर प्रशिक्षण, ड्रिल, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।

(ग) मिडशिपमैन सिद्धांत जाखड़ को पूर्व एनडीए प्रशिक्षुओं के बीच सर्वोच्च योग्यता प्राप्त करने के लिए एफओसी-इन-सी (दक्षिण) ट्रॉफी प्रदान की गई।

(घ) नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम (विस्तारित) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सीएनएस स्वर्ण पदक और नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम (नियमित) में कमांडेंट, भारतीय नौसेना अकादमी रजत पदक क्रमशः कैडेट ऋषिकेश वी चैतन्य और कैडेट सात्विक दीक्षित को प्रदान किया गया।

(ई) महानिदेशक तटरक्षक ट्रॉफी कैडेट ईशान शेखर को प्रदान की गई।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने प्रशिक्षुओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और अभ्यास के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रशिक्षकों और प्रशिक्षण कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की, साथ ही अभिभावकों के अटूट सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने विदेशी प्रशिक्षुओं को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सैन्य सहयोग मजबूत हुआ है और वैश्विक स्तर पर भारतीय नौसेना की प्रशिक्षण उत्कृष्टता उजागर हुई है।

परेड के समापन पर, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान, कमांडेंट, आईएनए और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षुओं को पट्टियाँ प्रदान कीं। उन्होंने उन गौरवान्वित परिवारों से बातचीत की, जो कठोर प्रशिक्षण व्यवस्था के सफल समापन का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए थे।

12वाँ चिंतन शिविर - 2025, धरमपुर का समापन समारोह

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का 'विकसित गुजरात@2047' के लिए 'अर्निंग वेल-लिविंग वेल' के दो स्तंभों पर आधारित विकास यात्रा को गति देने के लिए 'थिंकिंक वेल-डूइंग वेल' का भाव जगाने का आह्वान

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात समग्र देश के लिए विकास का रोल मॉडल बना, इसका श्रेय हमारे सामूहिक चिंतन तथा लोगों का भला करने की इच्छाशक्ति को जाता है
- अधिकारी ऑनरशिप के साथ पूर्ण समर्पण, दायित्व एवं लोक हित की प्रतिबद्धता से कार्यरत रहें
- केवल फाइल वर्क से संतोष न मानते हुए नियमित फील्ड विजिट तथा वास्तविक समस्याओं का सूझ-बूझ से सामना करने की पहल वृत्ति कार्यक्षमता को अनेक गुना बढ़ाएगी

मुख्यमंत्री का कुपोषण के विरुद्ध सामूहिक अभियान शुरू करने का संकल्प

-: उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी :-

- चिंतन शिविर के विभिन्न विषयों पर गंभीरतापूर्वक चिंतन एवं मनन से सुदूरवर्ती मानव के कल्याण तथा राज्य की विकास यात्रा को गतिमान बनाने का मार्ग स्थापित करें
- चिंतन शिविर से कुछ नया सीखकर लोगों के कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करें

.....

गांधीनगर,29 नवंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों का आ'ान किया है कि वे सभी 'विकसित गुजरात@2047' के लिए 'अर्निंग वेल-लिविंग वेल' के दो स्तंभों पर आधारित विकास यात्रा को और गति देने के लिए 'थिंकिंग वेल-डूइंग वेल' का भाव जगाएँ।

श्री पटेल ने वलसाड जिले में धरमपुर स्थित श्रीमद् राजचंद्र आश्रम में 'सामूहिक चिंतन से सामूहिक विकास की ओर' थीम के साथ आयोजित 12वें चिंतन शिविर का शनिवार को समापन कराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विकसित भारत@2047' के संकल्प में गुजरात को अग्रसर रखने का जो रोडमैप हमने लोगों के लिए 'अर्निंग वेल-लिविंग वेल' मंत्र के साथ तैयार किया है, उसे यह चिंतन शिविर 'थिंकिंग वेल-डूइंग वेल' के भाव से वैचारिक कलेवा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अधिकारियों से कहा कि वे कर्तव्यों तथा विभागों की जिम्मेदारी ऑनरशिप, पूर्ण समर्पण, दायित्व एवं लोक हित की प्रतिबद्धता के साथ निभाएँ। उन्होंने

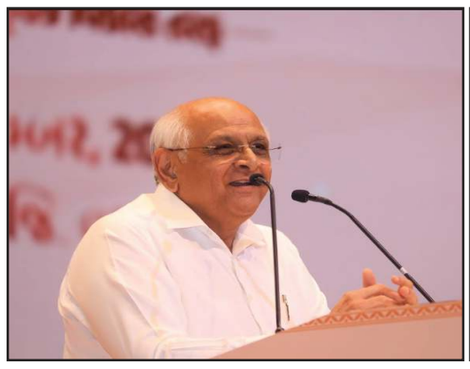

कहा कि हम जहाँ हों, वहाँ अपना श्रेष्ठ कार्य निष्पादन देकर राज्य के विकास में आम आदमी के सुख-सुविधा के कार्यों में कार्यरत रहेंगे, तभी आत्मसंतोष मिलेगा।

उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि केवल फाइल वर्क करके संतोष न मानते हुए नियमित रूप से फील्ड विजिट, स्थल पर उपस्थिति, वास्तविक समस्याओं का सूझ-बूझ से सामना करने की पहल वृत्ति और लोक हित एवं कल्याण के लिए संवेदना जगाकर कार्यक्षमता में अनेक गुना वृद्धि हो सकती है और हमारे द्वारा किए गए कार्यों के मूल्यांकन से विकास की सच्ची दिशा निर्धारित हो सकती है।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2003 में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में शुरू कराए गए चिंतन शिविर की उत्तरोत्तर सफलता में टीम गुजरात का परिश्रम और जन हित का सामूहिक चिंतन फलदायी रहा है। 2003 के प्रथम चिंतन शिविर में श्री मोदी ने प्रेरणा दी थी, 'हमारा दृष्टिकोण एकीकृत हो, गाँवों को गरीबी से बाहर निकालें और एक भी परिवार गरीबी रेखा से नीचे न रहे। आज जब भारत 21वीं शताब्दी की ओर अग्रसर है, तब इस शताब्दी को भारत की शताब्दी बनाने में हम सबकी ओर से कुछ योगदान होना चाहिए। यह केवल राजनीतिक या ऑफिशियल कार्यक्रम नहीं है, बल्कि मानवजाति के उत्थान का एक छोटा प्रयास है।'

इस बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'जो कहना, वह करना' का मंत्र अपनाया है और यह बात साकार करते हुए वे करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर लेकर आए हैं तथा भारत तीसरी बड़ी आर्थिक महासत्ता बनने जा रहा है। गुजरात में हमने उनके दिशादर्शन में सर्वांगीण विकास की गति तेज बनाकर प्रतिव्यक्ति आय को पिछले ढाई दशक में 19823 रुपए से बढ़ाकर 3 लाख 22 हजार रुपए तक पहुँचाया है।

श्री पटेल ने तीन दिवसीय चिंतन शिविर के विभिन्न चर्चा सत्रों में हुए सामूहिक विचार-मंथन से मिले सुझावों पर वास्तविक क्रियान्वयन से सर्वांगीण विकास के लिए टीम स्पिरिट के साथ कार्यरत होने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कुपोषण के विरुद्ध सामूहिक अभियान शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर में समूह चचाओं में आए विषयों पर हुए कामकाज के समय-समय पर मूल्यांकन और आगामी चिंतन शिविर में नई ऊर्जा तथा अधिक ऊँचे विकास लक्ष्यों के साथ मिलने की अपेक्षा व्यक्त की।

उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने चिंतन शिविर के विभिन्न विषयों पर गंभीरतापूर्वक चिंतन एवं मनन से सुदूरवर्ती मानव के कल्याण तथा राज्य की विकास यात्रा को गतिमान बनाने का मार्ग स्थापित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि शिविर में हुई उदार मन से एवं पारदर्शी चचाएँ राज्य के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। यह जरूरी है कि तीन दिवसीय सामूहिक मनोमंथन से तैयार हुए मुद्दे केवल आर्काइव में ही न रहें, बल्कि उनका उचित डॉक्यमेंटेशन हो, जिसका सीधा लाभ गुजरात के आम नागरिकों को मिले।

श्री संघवी ने चिंतन शिविर से कुछ नया सीखकर लोगों के कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत रहने का अनुरोध करते हुए कहा कि केवल सचिवालय स्तर पर ही नहीं, बल्कि ठेठ जिला प्रशासन तक शिविर की फलश्रुति पहुँचाएँ।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्रीमद् राजचंद्र आश्रम के आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित हुआ चिंतन शिविर सभी नागरिकों के हित और किसी गरीब के आँसू पोंछने का संवेदनापूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने शिविर के आयोजन में सहयोग देने के लिए राजचंद्र मिशन का आभार व्यक्त किया।

तीन दिवसीय चिंतन शिविर के समापन अवसर पर राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, वरिष्ठ सचिव, जिला कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण प्रभाग के सचिव श्री हारित शुक्ला ने इस शिविर की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

वैश्विक क्रेताओं, विशेषज्ञों और युवा प्रतिनिधियों के मेघालय में आमंत्रण के साथ शिलांग में चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जैविक कार्यक्रम का उद्घाटन

(जीएनएस)।

एपीडा क्रेता-विक्रेता बैठक, प्रथम पूर्वोत्तर भारत जैविक सप्ताह और चौथे आईएफओएएम विश्व जैविक युवा शिखर सम्मेलन (28 नवंबर- 1 दिसंबर 2025) के रूप में चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आज कोर्टयार्ड बाय मैरियट, शिलांग में औपचारिक उद्घाटन किया गया।

मेघालय सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा मेगनोलिया, एपीडा, आईएफओएएम-ऑर्गेनिक्स एशिया के सहयोग से तथा नेरामेक की सहायता से आयोजित इस कार्यक्रम में कई देशों के अंतर्राष्ट्रीय खरीदार, आयातक, जैविक विशेषज्ञ और युवा प्रतिनिधिमंडल एक साथ एकत्रित हो रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में अनेक गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ पूर्वोत्तर परिषद के सचिव श्री सतिंदर कुमार भल्ला, मेघालय सरकार के आयुक्त एवं सचिव डॉ. विजय कुमार डी, एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव, मेघालय सरकार के मुख्य सचिव डॉ. शकील पी. अहमद, मेघालय सरकार की उप सचिव श्रीमती सलोनी

वर्मा, आईएफओएएम के सलाहकार ब्रेंडन होरे, आईएफओएएम एशिया की कार्यकारी निदेशक जेनिफर चांग, एनईआरएएमएसी के प्रबंध निदेशक श्री भास्कर बरुआ, एपीडा की महाप्रबंधक डॉ. सास्वती बोस, आईएफओएएम एशिया के अध्यक्ष मैथ्यू जॉन और क्रिसिल की एसोसिएट निदेशक श्रीमती प्रियंका उदय शामिल थे।

उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में, एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव ने पूर्वोत्तर भारत के जैविक उत्पादों की वैश्विक उपस्थिति को मजबूत बनाने के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत जैविक सम्मेलन के पहले संस्करण ने 22 देशों के हितधारकों को एक साथ एक मंच पर जोड़ा है, जो इस क्षेत्र की जैविक क्षमता में उनकी गहरी अंतरराष्ट्रीय रुचि दशार्ता है। हमने मेघालय के जैविक उत्पादों की वैश्विक पहचान को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार, कृषि मंत्रालय, एनईसी और आईएफओएएम एशिया के साथ सहयोग किया है।

उन्होंने कहा कि इससे आगे बढ़ते हुए, हमारा लक्ष्य इसे एक वार्षिक आयोजन बनाना है, जिसका आयोजन हर वर्ष विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों द्वारा किया जाएगा ताकि दुनिया भर में क्षेत्रीय जैविक मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा दिया जा सके। हम मेघालय के किसानों, एफपीओ और हितधारकों को आगामी बायोफैच में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं, जहां भारत एक भागीदार देश है, ताकि वे अपनी उपज को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर सकें।

इस आयोजन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के जैविक उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार संबंधों को मजबूत करना, सतत और पुनयोर्जी कृषि को बढ़ावा देना एवं संवाद और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से युवा नेतृत्व को प्रोत्साहन देना है। बी2बी सत्रों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और क्षेत्रीय दौरों की योजना के साथ, यह आयोजन मेघालय और पूर्वोत्तर क्षेत्र की जैविक क्षमता को प्रदर्शित करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा।

पीएमएमएल शोधकताओं के लिए दुर्लभ अभिलेखीय संग्रह तक दूरस्थ पहुंच को संभव बनाता है

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल), जो स्वतंत्रता के बाद से भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करने के लिए समर्पित एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है, इसने अपने विशाल अभिलेखीय संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पीएमएमएल में दुर्लभ अभिलेखीय सामग्रियों का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह है, जिसमें 1,300 से ज्यादा व्यक्तियों और संगठनों से संबंधित 2.5 करोड़ से ज्यादा दस्तावेज शामिल हैं। आधुनिक और समकालीन भारतीय इतिहास का अध्ययन करने वाले प्रामाणिक शोधकर्ता और विद्वान नियमित रूप से इन अभिलेखों का अवलोकन करते हैं।

एक ऐतिहासिक पहल के तहत, पीएमएमएल अपने दुर्लभ अभिलेखीय संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत पत्र-पत्रिकाएँ, पत्राचार, भाषण, डायरियां और समाचार पत्र लेख शामिल हैं, का एक व्यापक डिजिटलीकरण परियोजना शुरू कर रहा है। यह परिवर्तनकारी प्रयास, वास्तविक शोधार्थियों के लिए सीमित दूरस्थ पहुंच को सक्षम करते हुए, नाजुक दस्तावेजों के दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करता है। अक्सर उपयोग की जाने वाली सामग्री का एक बड़ा हिस्सा पहले ही डिजिटलीकृत, अपलोड और नव-विकसित प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराया जा चुका है।

इन डिजिटल अभिलेखागारों तक दूरस्थ पहुँच की सुविधा के लिए एक समर्पित सूचना प्रौद्योगिकी मंच बनाया गया है। पंजीकृत विद्वान अब विशिष्ट अभिलेखीय दस्तावेजों को देखने के लिए पीएमएमएल परिसर में आए बिना ऑनलाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। स्वीकृत होने के बाद, अनुरोधित सामग्री केवल देखने के लिए विद्वान के कंप्यूटर पर सुरक्षित रूप से उपलब्ध करा दी जाएगी।

पीएमएमएल के डिजिटल अभिलेखागार का शुभारंभ, अमूल्य ऐतिहासिक संसाधनों की सुरक्षा करने तथा विश्व भर के शोधकताओं, विद्वानों और ज्ञान चाहने वालों के लिए पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पीएमएमएल के निदेशक श्री अश्विनी लोहानी ने कहा कि यह पहल उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने और अभिलेखीय सामग्रियों तक आसान पहुंच बढ़ाकर आधुनिक और समकालीन भारत के अध्ययन को मजबूत करने के लिए संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

यूएस में सुर्खियां बन रहे अफगानियों के कृत्य

पिछले कुछ दिनों से एक बार फिर अफगानिस्तान चचाओं में है। दो घटनाएं ऐसी हुईं हैं जिन्होंने अफगानिस्तान को सुर्खियों में ला दिया है। पहली घटना अमेरिका की है। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में दिल दहलाने वाली घटना घटी। व्हाइट हाउस से वुछ ही दूरी पर बुधवार को दोपहर दो वेस्ट वजीनिया नेशनल गार्ड सदस्यों पर अचानक की गईं गोलीबारी ने पूरे शहर को झकझोर दिया। व्हाइट हाउस में लॉकडाउन लग गया है। दोनों सैनिकों की दुखद मौत हो गईं। वाशिंगटन की मेयर म्यूरियाल बाउजर ने इसे टारगेटिड शूटिंग बताया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हमलावर को जानवर बताते हुए अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है। यह गोलाबारी उस समय हुईं जब गार्ड के सदस्य एक मेट्रो स्टेशन के पास तैनात थे। हमलावर अचानक मोड़ से आया और बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने लगा। वहीं आसपास मौजूद अन्य सैनिकों ने तुरंत भागकर मौके पर पहुंचे और हमलावर को काबू कर लिया। गोली चलाने वाले का नाम रहमानुल्लाह लकनवाल (29 वर्ष) बताया गया है। यह अफगानिस्तान का नागरिक है जो 2021 में अमेरिका आया था। कहा जा रहा है कि यह अफगानिस्तान में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के लिए भी काम कर चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन सरकार के तहत अमेरिका में आए अफगानिस्तान के हर नागरिक को फिर से जांच करने का भी वादा किया।

ट्रंप ने फ्लोरिडा से सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए हमलावर को चेतावनी देते हुए कहा कि वह बहुत बड़ी कीमत चुकाएगा। हमलावर ने हमला क्यों किया इसकी जानकारी अभी नहीं आई। पहली सुखी अफगानिस्तान की तब बनी जब व्हाइट हाउस के बाहर गोली चलाने वाला एक अफगानी निकला। दूसरी सुर्खी तब बनी जब तीन दिन पहले अफगानिस्तान के एक मीडिया चैनल ने यह खबर चलाईं कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की जेल में हत्या कर दी गईं है। इस खबर के आते ही पाकिस्तान में आग लग गईं। बता दें कि इमरान खान पिछले दो साल से रावलपिंडी की मटियाला जेल में भ्रष्टाचार के आरोपों में बंद हैं। इमरान खान की सुरक्षा को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं। इस बीच बेटे कासिम खान ने भी अपने पिता की सुरक्षा को लेकर एक्स पर एक पोस्ट लिखी है। मेरे पिता 845 दिन से जेल में हैं। पिछले छह हफ्तों से उन्हें एक डेथ सेल में एकांत में रखा गया है। यहां किसी तरह की पारदर्शिता नहीं है। अदालत के स्पष्ट आदेश होने के बावजूद उनकी बहनों को हर मुलाकात से वंचित किया गया है। न कोईं फोन, न कोईं मुलाकात और न ही उनके जीवित होने का कोईं सुबूत। मैं और मेरे भाईं हम दोनों का अपने पिता से कोईं संपर्व नहीं हुआ है। कासिम ने लिखा है, यह पूरी तरह से ब्लैकआउट कोईं सुरक्षा प्रोटोकाल नहीं है, यह उनकी स्थिति को छिपाने और हमारे परिवार को यह जानने से रोकने का एक सोचा-समझा प्रयास है। मेरे पिता की सुरक्षा और इस अमानवीय एकांत वेंद्र के हर नतीजे के लिए पाकिस्तानी सरकार को नोटिस और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह जवाबदेही ठहराया जाएगा। हम उम्मीद करते हैं कि इमरान की मौत महज एक अफवाह हो और वह जिंदा हों।

भारत मोटापा और मेटाबोलिक डिसऑर्डर से निपटने के लिए सबूतों पर आधारित एकीकृत दृष्टिकोण को मजबूत कर रहा है: आयुष मंत्री

सीसीआरएएस-सीएआरआई बेंगलुरु आयुर्वेद और मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम के लिए एकीकृत तरीकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय की केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) अपने केन्द्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), बेंगलुरु के जरिए 1-2 दिसम्बर 2025 को ए.वी. रामा राव ऑडिटोरियम, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु में आयुर्वेद और मोटापे और मेटाबोलिक सिंड्रोम के लिए एकीकृत तरीकों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रही है। यह सम्मेलन आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्तशासी संगठन, सीसीआरएएस के 57वें स्थापना दिवस समारोहों के साथ हो रहा है।

भारतीय विज्ञान संस्थान और निमहन्स के साथ मिलकर आयोजित किए गए इस सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर में मोटापे और मेटाबोलिक सिंड्रोम के बढ़ते बोझ को सबूतों पर आधारित आयुर्वेदिक और एकीकृत चिकित्सा तरीकों से कम करना है। यह यह वैज्ञानिक कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के अनुसंधान पर आधारित एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने और दुनिया भर में स्वास्थ्य के नतीजों को बेहतर बनाने की कल्पना को दर्शाता है।

इस पहल की अहमियत बताते हुए, माननीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, 'भारत एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल में अपने काम को मजबूत कर रहा है, और आयुर्वेद इस बदलाव का केन्द्र है। मोटापा और मेटाबोलिक डिसऑर्डर हमारे समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से हैं। यह सम्मेलन सबूतों पर आधारित तरीकों को मजबूत करने के हमारे इरादे को दिखाती है, जो आयुर्वेद के ज्ञान को मॉडर्न मेडिकल साइंस की सख्ती के साथ जोड़ते हैं। भारत सरकार दुनिया भर में स्वास्थ्य के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान, नवोन्मेष और बहुविषयक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।'

आयुष मंत्रालय के सचिव ने जोर देकर कहा, 'मेटाबोलिक बीमारियों के बढ़ते बोझ के लिए मिलकर काम करने वाले, विज्ञान पर आधारित समाधान की जरूरत है। आयुर्वेद एक समग्र, बचाव वाला और पर्सनलाइज्ड तरीका देता है, जो आज जैव चिकित्सा की प्रगति के साथ जुड़ने पर और भी ज्यादा असरदार हो जाता है। यह सम्मेलन एकीकृत अनुसंधान में भारत की लीडरशिप बढ़ाने, क्लिनिकल सबूतों को मजबूत करने और भविष्य की स्वास्थ्य नीति बनाने की दिशा में एक जरूरी कदम है।'

सीसीआरएएस के डायरेक्टर जनरल, डॉ. रविनारायण आचार्य ने कॉन्फ्रेंस की वैज्ञानिक अहमियत पर जोर दिया और बताया, 'ऐसे समय में जब मेटाबोलिक बीमारियाँ खतरनाक दर से बढ़ रही हैं, आयुर्वेद की होलिस्टिक समझ असरदार और प्रैक्टिकल समाधान देती है। यह समेलन सबूतों पर आधारित बातचीत के जरिए पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान को नवीनतम जैव चिकित्सा अनुसंधान से जोड़ने के लिए तैयार की गई है। इसके नतीजे एकीकृत देखभाल फ्रेमवर्क, ट्रांसलेशनल रिसर्च और ग्लोबल हेल्थ पॉलिसी में अहम योगदान देंगे।'

सेमिनार की यूनिट प्रमुख और आयोजन सचिव डॉ. सुखोलाचना भट्ट ने बताया कि "यह सम्मेलन आयुर्वेद और आधुनिक जैव चिकित्सा विज्ञान के जाने-माने विशेषज्ञों को मोटापे और मेटाबोलिक डिसऑर्डर की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए सबूतों पर आधारित एकीकृत तरीकों से एक साथ लाती है। उन्होंने आगे कहा कि सीसीआरएएस के रिसर्च जर्नल जेडीआरएएस का मोटापा और मेटाबोलिक डिसऑर्डर पर एक विशेष संस्करण, दस दूसरी किताबों के साथ, चल रही अनुसंधान की गहराई और वैज्ञानिक बातचीत और एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

यह कॉन्फ्रेंस भारत और विदेश से आयुर्वेद, आधुनिक चिकित्सा, जीव विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के जाने-माने विशेषज्ञों को एक साथ लाती है। शैक्षणिक कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, समानांतर वैज्ञानिक सत्र और टाइप-2 डायबिटीज, मोटापा और डिस्लिपिडेमिया के ट्रांसलेशनल साइंस और एकीकृत प्रबंधन पर एक संगोष्ठी शामिल है। 2 दिसम्बर को टीसीएस स्मार्ट-एक्स हब, आईआईएससी में नैनोटेक्नोलॉजी और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी पर एक स्पेशल वर्कशॉप होगी। दोनों दिन समत्वम, पथशोध और सीएआरआई द्वारा एक हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप चलेगा। कॉन्फ्रेंस से पहले वर्चुअल साइंटिफिक बातचीत 25-27 नवम्बर 2025 तक हुई। कार्यक्रम के दौरान सीसीआरएएस के रिसर्च जर्नल जेडीआरएएस का मोटापा और मेटाबोलिक डिसऑर्डर पर एक विशेष संस्करण और 10 दूसरी किताबों का भी विमोचन होगा।

इसमें 700 से ज्यादा प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है, जिसमें 267 मौखिक प्र ुति, 120 वर्चुअल पेपर प्रेजेंटेशन, 70 पोस्टर, और जाने-माने वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और अनुसंधानकताओं के 16 मुख्य भाषण और सम्मेलन के दौरान बातचीत होगी।

आयुर्वेद, मोटापा और दिल की बीमारियों, स्ट्रोक और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ने के बारे में एकीकृत दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीसीआरएएस एकीकृत अनुसंधान को आगे बढ़ाने, वैश्विक सहयोग को मजबूत करने और सर्वांगीण और पहुंच योग्य स्वास्थ्य देखभाल की भारत की कल्पना के साथ साक्ष्य आधारित नवोन्मेष को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कृषि क्षेत्र में हरित ईंधन आधारित प्रौद्योगिकियों को अपनाने की कृषि मंत्रालय की वकालत के साथ ईआईएमए एग्रीमैच इंडिया 2025 का समापन

प्रदर्शनी में 20 हजार किसानों, 4 हजार से अधिक घरेलू डीलरों और वितरकों, 100 से अधिक विदेशी खरीदारों और 180 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से फिक्की और फेडरउनाकोमा ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया

कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और इटली के राजदूत कार्यक्रम में शामिल हुए

(जीएनएस)।

कृषि मशीनरी, उपकरण और कृषि तकनीक समाधान पर 9वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 'ईआईएमए एग्रीमैच इंडिया 2025' का समापन आज भविष्य में हरित ईंधन आधारित कृषि मशीनरी पर फोकस करने के आ'ान के साथ हुआ। इसका आयोजन फिक्की और इतालवी कृषि उद्योग निकाय फेडरउनाकोमा ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से संयुक्त रूप से किया था।

नई दिल्ली में पूसा स्थित आईएआरआई मैदान में 27-29 नवंबर, 2025 को आयोजित इस प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और ओडिशा के लगभग 20,000 किसानों, 4000 से ज्यादा घरेलू डीलरों और वितरकों, 180 से ज्यादा घरेलू और विदेशी कंपनियों, और अल्जीरिया, नेपाल, श्रीलंका, केन्या, ओमान, मलेशिया, मोरक्को, नाइजीरिया, युगांडा, वियतनाम, ज़िम्बाब्वे, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के 100 से ज्यादा विदेशी खरीदारों ने हिस्सा लिया। इटली इस प्रदर्शनी का भागीदार देश था। नीदरलैंड, जापान, अमेरिका और पोलैंड ने भी इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

प्रदर्शनी में कृषि मशीनरी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जो हमारे देश के किसानों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा, इस आयोजन ने कृषि क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को पूरा करने वाले भारतीय और विदेशी दोनों ही प्रकार के उद्यमियों को बेहतरीन अवसर प्रदान किए।

उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए, कृषि एवं किसान कल्याण सचिव डॉ. देवेश चतुवेर्दी ने उद्योग जगत से अनुरोध किया कि वे हरित ईंधन (पर्यावरण में कम से कम कार्बन उत्सर्जन करने वाला ईंधन) आधारित मशीनीकरण को प्राथमिकता देकर भारतीय कृषि क्षेत्र के 2047 के विजन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और कार्यभार को कम करने के लिए महिला-पुरूष निरपेक्ष कृषि उपकरण बनाकर महिला किसानों के कठिन परिश्रम को कम करें।

डॉ. चतुवेदी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "अगले 5-10 वर्षों में, हमें अपनी तकनीकों को हरित ईंधन पर आधारित कर देना चाहिए—चाहे वे विद्युत चालित ट्रैक्टर हों या ग्रामीण सीबीजी संयंत्रों के लिए उपलब्ध सीबीजी (संपीड़ित बायोगैस) पर चलने वाली मशीनें। इस बदलाव से किसानों के रखरखाव और संचालन लागत, दोनों में कमी आएगी। हमारी योजनाओं में हरित ईंधन आधारित तकनीकों को प्राथमिकता दी जाएगी। मैं अपने इतालवी उद्योग साथियों से इस क्षेत्र में सहयोग करने का आग्रह करता हूं।"

विजन 2047 को प्राप्त करने में महिला किसानों को महत्वपूर्ण बताते हुए, सचिव ने उद्योग जगत का ध्यान महिला-पुरुष समानता को बढ़ावा देने वाले बजट (जेंडर बजटिंग) की ओर आकर्षित किया और उनसे महिलाओं के अनुकूल उपकरणों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने का आ'ान किया।

डॉ. चतुवेदी ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया है। इसलिए, ऐसे उपकरण डिजाइन किए जाने चाहिए जो महिलाओं को कठिन परिश्रम से राहत दिलाने का काम करें। उन्होंने कहा कि अक्सर नीति निमार्ता यह मान लेते हैं कि 'जेंडर बजटिंग' का मतलब केवल महिलाओं को मशीनरी का स्वामित्व देना है, लेकिन केवल इससे उनका कठिन परिश्रम कम नहीं होता। उन्होंने जोर देकर कहा, "अधिकांश कठिन कृषि कार्य महिलाएं करती हैं, और इसलिए हमें महिलाओं के अधिक अनुकूल उपकरणों की जरूरत है, चाहे वे मैनुअल हों या मोटर चालित, जो वास्तव में उनके कार्यभार को कम करें।"

भारत में इटली के राजदूत श्री एंटोनियो बाटोर्ली ने आशा व्यक्त की कि दोनों देशों के बीच कृषि क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत में इतालवी दूतावास में शीघ्र ही एक कृषि अताशे (एक ऐसा अधिकारी जो कृषि क्षेत्र का विशेषज्ञ हो और दो देशों के बीच कृषि संबंधों को मजबूत करने के विभिन्न पक्षों का ध्यान रखे) की नियुक्ति की जाएगी।

प्रदर्शनी का अंतिम दिन दौरा करने वाले कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री अन्बलगन पी ने प्रदर्शनी एवं सम्मेलन की उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी तथा घरेलू एवं विदेशी कम्पनियों, डीलरों, वितरकों की प्रमुख उपस्थिति इस आयोजन की सफलता को दर्शाती है।

ईआईएमए एग्रीमैच इंडिया की आयोजन समिति के अध्यक्ष और टैफे के बोर्ड निदेशक एवं समूह अध्यक्ष श्री टी.आर. केसवन ने कृषि को सेवा के रूप में बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया, क्योंकि किसानों को केवल कुछ दिनों के लिए इस्तेमाल होने वाला सीडर खरीदना महंगा पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कृषि सेवा के रूप में सीडर मददगार साबित हो सकता है। इसलिए, हमें सेवा के रूप में कृषि का एक नया क्षेत्र बनाने की जरूरत है। उद्योग ने कृषि मंत्रालय के साथ इस पर चर्चा की है और इस दिशा में कुछ प्रगति भी हुई है।

कृषि क्षेत्र में भारत-इटली सहयोग के भविष्य को लेकर उत्साहित फेडेरुनाकोमा की महानिदेशक सुश्री सिमोना रापस्टेला ने कहा कि भारत पर इतालवी व्यापार एजेंसी (आईसीई) की रिपोर्ट के अनुसार, यह क्षेत्र 2023 में कुल 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर का था और अगले दस वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2033 में 31.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। इसकी वार्षिक वृद्धि दर लगभग 9 प्रतिशत होगी।

फिक्की राष्ट्रीय कृषि समिति के सह-अध्यक्ष और कॉटेर्वा एग्रीसाइंस के दक्षिण एशिया अध्यक्ष श्री सुब्रतो गीद ने कहा, "भारत के लिए अपने खाद्य भविष्य को सुरक्षित करने हेतु उत्पादकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। हमें किसानों को उच्च-गुणवत्ता वाले बीजों और कृषि उपज बढ़ाने के साधनों जैसे सही सामाग्रियों तक पहुंच प्रदान करके शुरूआत करनी होगी। हमें ऐसे आधुनिक तरीकों की आवश्यकता है जो श्रम को कम करें और दक्षता में सुधार करें। मशीनीकरण इस परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे प्रौद्योगिकी और प्रगतिशील सुधारों से मदद प्राप्त है। इन सभी कदमों के साथ मिलकर, एक ऐसी सुदृढ़ कृषि प्रणाली का निर्माण किया जा सकता है जो किसानों और राष्ट्र दोनों के लिए लाभकारी हो।"

कार्यक्रम के दौरान फिक्की-पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट 'फार्म मैकेनाइजेशनः द पाथ टुआड्र्स फ्यूचर रेडी इंडिया' भी जारी की गई।

इतालवी व्यापार एजेंसी की उप व्यापार आयुक्त सुश्री सबरीना मंगियालावोरी ने कहा कि भारतीय किसान आधुनिक यांत्रिक समाधानों, जैसे जुताई, बुवाई, सिंचाई, फसल संरक्षण और फसल के डंठल से अनाज या दानों को अलग करने की प्रक्रिया (थ्रेसिंग) को अपना रहे हैं।

इस आयोजन का 10वां संस्करण अगले वर्ष इटली में आयोजित किया जाएगा।

उत्तिरामेरुर की 1,000 साल पुरानी कहानी: पीएम मोदी ने किया जिक्र तो इतिहासकारों ने बताया पूरा मॉडल

उत्तिरामेरुर याद दिला रहा है कि भारत में लोकतांत्रिक शासन की उत्पत्ति प्राचीन है—आधुनिक चुनावी संस्थाओं के जन्म से बहुत पहले से ही यहां चुनाव संरचना, संहिता और प्रचलन रहा है.

तमिलनाडु के उत्तिरामेरुर शिलालेखों में प्राचीन लोकतंत्र की विस्तृत चुनावी व्यवस्था का उल्लेख मिलता है कुदावोलाई प्रणाली में ताड़ के पत्तों पर उम्मीदवारों के नाम लिखकर निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किया जाता था उम्मीदवारों की उम्र तीस से सत्तर वर्ष के बीच होनी चाहिए और उन्हें गांव में जमीन का मालिक होना आवश्यक था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तमिलनाडु के प्रसिद्ध उत्तिरामेरुर शिलालेखों का उल्लेख किया तो लोगों में उस व्यवस्था को जानने की रुचि जागृत हुई है. कई इतिहासकार और विद्वान इसे दुनिया के सबसे प्राचीन और जमीनी स्तर के लोकतंत्र के सबसे विस्तृत मॉडलों में से एक मानते हैं. उनकी टिप्पणियों ने चोल-युग की कुदावोलाई सिस्टम पर फिर से ध्यान आकर्षित किया है, जो एक हजार साल से भी पहले प्रचलित एक चुनावी प्रक्रिया थी, जिसमें गांव के नेताओं का चयन एक विस्तृत चुनाव प्रणाली के माध्यम से किया जाता था.

इतिहासकार क्या कहते हैं

कांचीपुरम के पास उत्तिरामेरुर में प्राचीन वैकुंड पेरुमल मंदिर की दीवारों पर अंकित ये शिलालेख स्थानीय शासन के एक उच्च संरचित ढांचे की रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं. इतिहासकार डॉ. नंदिता कृष्णा ने एनडीटीवी से बात करते हुए इन शिलालेखों को एक

प्राचीन चुनाव आयोग की पुस्तिका की तरह बताया, जिसमें प्रक्रियाओं, पात्रता नियमों, अयोग्यता मानदंडों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के कर्तव्यों की व्याख्या की गई है.इस प्रणाली का मूल कुदावोलाई पद्धति थी. ताड़ के पत्तों पर लिखे उम्मीदवारों के नाम एक बर्तन में रखे जाते थे और एक बच्चे को निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पर्ची निकालने को कहा जाता था. तमिल विद्वान और तमिल के सहायक प्रोफेसर डॉ. बालाजी कहते हैं, "नेताओं का चुनाव पारदर्शी तरीके से और अक्सर संयोग से होता था, लेकिन केवल सख्त पात्रता मानदंडों को पूरा करने के बाद ही." उम्मीदवारों की आयु 35 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए थी, जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए गांव में जमीन का मालिक होना चाहिए था और सटीक हिसाब-किताब रखने वाला होना चाहिए था. जो लोग हिसाब-किताब जमा नहीं कर पाते थे, उन्हें और उनके परिवारों को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता था.चोल राजा विशाल क्षेत्रों पर शासन करते थे, स्थानीय शासन इन निर्वाचित ग्राम निकायों द्वारा संचालित होता था, जो राजस्व, सार्वजनिक कार्यों और सामुदायिक मामलों का प्रबंधन करते थे. डॉ. कृष्णा जोर देते हैं, "यह विकेंद्रीकरण का एक मजबूत मॉडल था. भारत लोकतंत्र की जननी है. अंग्रेज भी इसे अपनाते थे. हमारे पास जो था, वह कहीं ज्यादा पुराना और गहराई से जड़ जमाए हुए था."दोनों विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि जमीन के मालिकाना हक पर जोर देने का उद्देश्य धनी लोगों को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि निर्णय लेने वाले लोग समुदाय के ज़िम्मेदार हितधारक हों. निर्वाचित सदस्यों से अपेक्षा की जाती थी कि वे गांव के संसाधनों की रक्षा करें, निष्पक्ष रूप से कर वसूलें और रिकॉर्ड बनाए रखें—ऐसा न करने पर कठोर दंड का प्रावधान था.जैसे-जैसे राष्ट्रीय स्तर पर नए सिरे से चचाएं शुरू हो रही हैं, उत्तिरामेरुर याद दिला रहा है कि भारत में लोकतांत्रिक शासन की उत्पत्ति प्राचीन है—आधुनिक चुनावी संस्थाओं के जन्म से बहुत पहले से ही यहां चुनाव संरचना, संहिता और प्रचलन रहा है.

भारत निर्वाचन आयोग ने ईसीआईनेट डिजिटल मंच को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए

(जीएनएस)।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) सभी नागरिकों से ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करने और ऐप पर 'सुझाव सबमिट करें' टैब का उपयोग करके ऐप को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव देने का आ'ान किया है। यह 27 नवंबर, 2025 से 27 दिसंबर, 2025 के बीच किया जा सकता है।

ईसीआईनेट ऐप के परीक्षण संस्करण का उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और हाल ही में हुए उपचुनावों के दौरान किया गया था। इस नए मंच ने बेहतर मतदाता सेवाएं, मतदान प्रतिशत के रुझानों की त्वरित उपलब्धता और मतदान समाप्ति के 72 घंटों के भीतर इंडेक्स कार्ड प्रकाशित करना संभव बनाया, जबकि पहले इसमें कई हफ़्ते या महीने लग जाते थे। बिहार चुनावों से प्राप्त जानकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचन अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और क्षेत्रीय अधिकारियों से प्राप्त प्रतिक्रिया को इस मंच की कार्यक्षमता को और बेहतर बनाने के लिए शामिल किया जा रहा है।

उपयोगकताओं के सुझावों की जांच की जाएगी और मंच को और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए इसमें और सुधार किया जाएगा। ईसीआईनेट मंच का आधिकारिक लॉन्च जनवरी 2026 में निर्धारित है।

मतदाताओं की सुविधा में सुधार और तकनीक के इस्तेमाल से चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से, ईसीआईनेट, मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर शुरू की गई आयोग की प्रमुख पहलों में से एक है । ईसीआईनेट ऐप के विकास पर काम 4 मई, 2025 को इसकी घोषणा के बाद शुरू हुआ।

ईसीआईनेट ऐप नागरिकों के लिए एक एकीकृत ऐप है जो पहले से मौजूद 40 अलग-अलग चुनाव-संबंधी एप्लिकेशन/वेबसाइटों, जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप (वीएचए), सीवीआईजीआईएल, सक्षम, पोलिंग ट्रेंड्स (वोटर टर्नआउट ऐप), और अपने उम्मीदवार को जानें (केवाईसी) ऐप को एक ही इंटरफेस में एकीकृत करता है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर और ऐप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

भारत को आईएमओ काउंसिल में दोबारा चुने जाने के लिए सबसे ज्यादा वोट मिले, वैश्विक समुद्री भूमिका मजबूत हुई

(जीएनएस)।

भारत को इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) की काउंसिल में कैटेगरी बी में दोबारा चुना गया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे ज्यादा दिलचस्पी रखने वाले 10 देश शामिल हैं। लंदन में 34वीं आईएमओ असेंबली में 28 नवंबर को चुनाव में भारत को इस कैटेगरी में सबसे ज्यादा वोट मिले, जिसमें 169 वैलिड बैलेट में से 154 वोट थे।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने इस परिणाम को भारत के बढ़ते ग्लोबल मैरीटाइम असर का बड़ा समर्थन बताया। श्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, 'आईएमओ में भारत की सफलता हमारे डायनैमिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के मैरीटाइम विजन का सबूत है।'

सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, 'यह भारत के मैरीटाइम सेक्टर और हमारे देश के लिए गर्व का पल है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन् द्र मोदी जी के विजनरी और क्रांतिकारी नेतृत्व में, भारत एक बार फिर 2026-27 के टर्म के लिए आईएमओ काउंसिल में कैटेगरी बी में सबसे ज्यादा वोटों के साथ चुना गया है।' उन्होंने कहा, 'वैश्विक समुदाय से मिला यह शानदार जनादेश प्रधानमंत्री मोदी जी के एक सेफ, सिक्योर, एफिशिएंट और ग्रीन मैरीटाइम डोमेन बनाने की दृढ़ प्रतिबद्धता का एक मजबूत सबूत है। उनकी लीडरशिप ने भारत को ग्लोबल मैरीटाइम प्रोग्रेस में सबसे आगे रखा है और देश को इंटरनेशनल शिपिंग के भविष्य को बनाने में भरोसेमंद आवाज के तौर पर खड़ा किया है।'

'देश की सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी', छत्तीसगढ़ में डीजीपी-आइजी कान्फ्रेंस में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में आयोजित 60वीं डीजीपी-आइजी कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस बलों को आधुनिक तकनीक, डाटा-ड्रिवन मॉडल और एआइ आधारित समाधानों को अपनाने की सलाह दी, जिससे सुरक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

रायपुर, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में आयोजित 60वीं डीजीपी-आइजी कान्फ्रेंस के दूसरे दिन अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने पुलिस बलों को आधुनिक तकनीक, डाटा-ड्रिवन मॉडल और एआइ आधारित समाधानों को अपनाने की सलाह दी, जिससे सुरक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

पीएम मोदी ने पुलिस बलों की सेवाओं, समर्पण और चुनौतीपूर्ण

परिस्थितियों में उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए डिजिटल टूल्स के उपयोग और राज्यों के बीच साझा रणनीति की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बेस्ट प्रैक्टिस साझा करने से न केवल सहयोग बढ़ता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत सुरक्षा ढांचा भी तैयार होता है।

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष शनिवार को चार प्रमुख सत्र आयोजित हुए। इनमें वामपंथी उग्रवाद, आतंकवाद-निरोध, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा और पुलिसिंग में एआइ व फोरेंसिक तकनीक के उपयोग जैसे मुद्दों पर विस्तार से चचार्की गई।

विभिन्न राज्यों के पुलिस प्रमुखों ने अपने-अपने प्रदेशों की कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा में तकनीक के बढ़ते उपयोग, जन आंदोलनों के प्रबंधन, फोरेंसिक साइंस के व्यापक उपयोग और अनुसंधान की क्षमता बढ़ाने, सुरक्षा चुनौतियों और सुधारों पर प्रेजेंटेशन दिए।

अधिकारियों ने बताया कि शाम के सत्र में इंटेलिजेंस ब्यूरो के विशेष निदेशक तपन कुमार डेका ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए विजन 2047 का रोडमैप पेश किया। छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने भी अपने राज्यों की सुरक्षा स्थिति से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

विज्ञापन हटाएं

सिर्फ खबर पढ़ें

आज पुलिस पदक से सम्मानित होंगे अधिकारी

यह सम्मेलन उस समय आयोजित किया गया है, जब कुछ सप्ताह पहले लाल किले के पास हुए कार विस्फोट के पीछे सक्रिय एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का राजफाश हुआ था। राज्यों के पुलिस अधिकारियों को इस फोरम से नई तकनीकों और नीतियों की जानकारी मिली है, जिन्हें वे अपने-अपने राज्यों में लागू कर सकेंगे। आधुनिक आपराधिक कानूनों का सही उपयोग पुलिसिंग को और प्रभावी बनाएगा। तीन दिवसीय कान्फ्रेंस का रविवार को अंतिम दिन है। पीएम पुलिस पदक प्रदान करेंगे।

दो दिन में इन विषयों पर मंथन

जन-आंदोलनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र की आवश्यकता।

भारतीय भगोड़ों की वतन वापसी के लिए रोडमैप तैयार करना।

अनुसंधान में फोरेंसिक तकनीक के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना।

काशी तमिल संगमम्-4.0 के लिए छात्रों का पहला दल कन्याकुमारी से वाराणसी के लिए रवाना हुआ

शिक्षा मंत्रालय 2 दिसंबर, 2025 से काशी तमिल संगमम (केटीएस) 4.0 का आयोजन करेगा

केटीएस 4.0 तमिलनाडु और काशी के बीच सभ्यतागत संबंधों का उत्सव

(जीएनएस)।

काशी तमिल संगमम् (केटीएस) 4.0 के लिए छात्रों का पहला दल आज सुबह 11:45 बजे ट्रेन संख्या 06001 से कन्याकुमारी से वाराणसी के लिए रवाना हुआ। इस ट्रेन में कन्याकुमारी में कुल 43 छात्र चढ़े, जबकि तिरुचिरापल्ली (टीपीजे) पर 86 और चेन्नई एग्मोर (एमएस) पर 87 छात्र शामिल होंगे, जो केटीएस 4.0 यात्रा की अत्यंत सकारात्मक और जोशीली शुरूआत को दशार्ता है। इस दल में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र शामिल हैं, जो वाराणसी में होने

वाली सांस्कृतिक, शैक्षिक और अनुभवात्मक गतिविधियों में भाग लेकर दोनों क्षेत्रों के बीच प्राचीन सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक संबंधों को पुनः सशक्त करेंगे। यह शुरूआत केटीएस 4.0 कार्यक्रम की व्यापक रूपरेखा का हिस्सा है, जो तमिलनाडु से लगभग 1400 प्रतिनिधियों को उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के भ्रमण के लिए आमंत्रित करता है। इस बार शिक्षा मंत्रालय 2 दिसंबर, 2025 से काशी तमिल संगमम (केटीएस) 4.0 के चौथे संस्करण का आयोजन कर रहा है।

वाराणसी प्रवास के दौरान छात्र गंगा घाटों, प्रमुख धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों से संवाद के माध्यम से उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक धरोहर, जीवन शैली और आध्यात्मिक विरासत का निकट से अनुभव करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत सेमिनार, संवाद सत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, साहित्यिक विमर्श, स्थानीय व्यंजन और हस्तशिल्प से परिचय जैसी विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। छात्रों को काशी के महत्वपूर्ण तमिल धरोहर स्थलों का भी भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें महाकवि सुब्रह्मण्य भारती का पैतृक निवास, काशी मदम, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और माता अन्नपूर्णा मंदिर शामिल हैं।

यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप तमिलनाडु और उत्तर भारत के बीच गहरे सभ्यतागत, सांस्कृतिक, भाषाई और जन-जन के संबंधों को सम्मान और नई ऊर्जा प्रदान करती है। केटीएस 4.0 को शिक्षा मंत्रालय के तहत आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संस्कृति, सूचना एवं प्रसारण, पर्यटन, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, एमएसएमई, कौशल विकास जैसे विभिन्न मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार भी सहयोग कर रहे हैं। यह विद्यार्थी आदान-प्रदान कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सहभागिता की भावना को मजबूत करता है, जिससे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को व्यवहारिक रूप मिलती है।

नगर पंचायत सलोंन के समाज सेवी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी मोहम्मद इरफान सिद्दीकी के बड़े भाई सलीम सिद्दीकी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन

सलोन रायबरेली । नगर पंचायत सलोंन के समाज सेवी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी मोहम्मद इरफान सिद्दीकी के बड़े भाई सलीम सिद्दीकी का लखनऊ के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया ।उनके निधन की खबर सुनकर घर पर लोगों को ताता लग गया। बड़े तादाद में लोगों ने घर पहुंच कर परिजनों से मिलकर सांत्वना व्यक्त की। इस निधन पर चौधरी अख्तर

समीम, चौधरी, सऊद ,निजाम अंसारी, अयाज अहमद काजू, मोहम्मद शरीफ गड्डी, समीर आलम, मौलाना फिरोज, हाफिज लल्लन अंसारी, अविनाश यादव, शाहबाज चौधरी, सुनील साहू, अंजनी साहू, मो सकील सभासद , शिक्षक राम जी सरोज, सुहैल अहमद सिद्दीकी ,बाबर सिद्दीकी, राकी सरदार, लक्की सरदार, केनी सिंह अरोड़ा, इंद्रजीत सिंह अरोड़ा, समेत तमाम लोगों ने घर एवं कब्रिस्तान पहुंच के सांत्वना व्यक्त की।

हिन्दुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में रागी द्विवेदी के कथक ने समा बांधा

डांडिया नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

लखनऊ - 29 नंबर 2025:

स्मृति उपवन में आयोजित माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ आयोजक अरुण प्रताप सिंह,गुंजन वर्मा , रनवीर सिंह और हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्जवलित कर किया। हिंदुस्तान शिल्प महोत्सव में रेवांत पत्रिका की ओर से एक शाम कविता के नाम का आयोजन हुआ ।

कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ शोभा दीक्षित भावना,पत्रिका की संपादक डॉ अनीता श्रीवास्तव मुख्य अतिथि आत्म प्रकाश मिश्र (कार्यक्रम प्रमुख दूरदर्शन उत्तर प्रदेश) कवि एवं कवयित्री अलका अस्थाना,मधु पाठक, वर्षा श्रीवास्तव,मंजू श्रीवास्तव,राजा मुदस्सर,उमा लखनवी, शीला

वर्मा,रोली शंकर,नीलम सिंह,अमन दीप, तारिका सिंह, मंजूषा श्रीवास्तव, रवि कांत पांडे, जितेंद्र पाल सिंह,चेन्द्रसर श्रीवास्तव,मीनाक्षी शुक्ला ने अपने-अपनी कविताओं को मंच से श्रोताओं को आकर्षित किया। अगले क्रम में नरेंद्र कुमार झा एवम रोहित कुमार झा ने गीत-सारा जमाना हसीनों का दीवाना... चांद से पर्दा रखें ... यम्मा यम्मा नगरा गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोहा। अगले सोपान में वैष्णवी डांस इंस्टीट्यूट द्वारा नेहा वर्मा के नृत्य निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम में दुर्गा कवित (कथक),श्रीराम स्तुति (लोकनृत्य),डांडिया नृत्य ,कृष्ण रासलीला ,शिव तांडव

कथक बॉलीवुड फ्यूजन डांस कलाकार... तान्या सक्सेना, वैष्णवी वर्मा, परी वर्मा ने प्रस्तुति दी। शिव संस्कृति कला फाउंडेशन की ओर संस्थापिका मीटू रॉय के नेतृत्व में किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रबंधक श्री अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा,डॉ रीमा सिन्हा राष्ट्रीय अध्यक्ष और निहारिका साहित्य मंच कंट्री ऑफ इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापिका) डॉ अब्दुल अजीज सिद्दीकी विशिष्ट अतिथि अनामिका मिश्रा ,कोहिनूर डांस एकेडमी की संस्थापिका और अध्यक्ष मोनी मिश्रा कार्यक्रम में उपस्थित रही ' कार्यक्रम का शुभारंभ अवनी रस्तोगी की गणेश वंदना से हुआ अध्या ने कृष्ण भजन,शिक्षा अग्रवाल ने देवी स्तुति कथक ,इसके अतिरिक्त रश्मि सिंह ने गिटार वादन, पूजा श्रीवास्तव ने काव्य पाठ एवं रागी, शिवन्या,निमिषा ने कथक प्रस्तुति दी ।

ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम ने एक बार फिर दिया मानवता का परिचय

जुमार्ना अदा करके कैदी को जेल से कराया रिहा

300 कैदियों को जेल में नि:शुल्क चश्मा उपलब्ध कराया

लखनऊ।राजधानी की सामाजिक संस्था ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम की लखनऊ यूनिट द्वारा जिला कारागार में लखनऊ में जुमार्ने की रकम जमा न कर पाने के कारण जेल में बंद 2 कैदियों को उन की जुमार्ने की रकम अदा कर के जेल से रिहा कराया गया । साथ ही 300 कैदियों की आँख की जाँच कर के चश्मे बना कर दिये गये। साथ ही मॉडल जेल लखनऊ में 150 लोगों की आँख की जाँच भी की गयी, एवं चश्मे वितरित किये गये साथ ही 100 कम्बल भी बांटे गये।इस अवसर पर जेल सुप्रीटेंडेंट एवं जेलर के साथ जेल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल रहे । उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी जेल में कई ऐसे कैदी हैं जिनको इस सर्दी के मौसम में गर्म कपड़ों और कंबल की जरूरत थी उनको ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत की तरफ से आज कंबल वितरित किए गए जो बड़ा ही नेक काम है।वहीं ए डी जे मीनाक्षी

सोनकर सेक्रेटरी उछरअ ने कहा कि यह फोरम सन 1974 से मानवता की सेवा में कार्यरत संस्था है मैं इस संस्था की कार्यशैली से काफी प्रभावित हूं क्योंकि ये संस्था समाज में ऊंच नीच जात पात और धर्म का फर्क किए बिना सिर्फ मानवता की सेवा के लिए कार्यरत है।साथ ही अरुण कुमार मिश्रा चीफ लीगल ऐड डिफेन्स कॉउंसिल ने कहा कि आज इस तरह के काम करने वाली संस्थायें बहुत कम हैं और हमें एक बेहतर समाज के लिए इस तरह की संस्थाओं का हौसला भी बढ़ाना चाहिए।उन्होंने संस्था का उनकी इस पहल के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के सम्मान हम सबको अपनी जिम्मेदारियों को और जिम्मेदारी से निभाने के लिए प्रेरित भी करते रहते

बार काउंसिल चुनाव में उन्नाव एकजुट, डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ही मजबूत नेतृत्व

उन्नाव। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश चुनाव 2026 में अपनी दावेदारी मजबूत करते हुए प्रत्याशी डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव क्रम संख्या 325 ने आज उन्नाव में जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। तहसील हसनगंज और उन्नाव में आयोजित उनकी संगठनात्मक मुलाकातें व्यापक समर्थन और उत्साह के साथ संपन्न हुईं, जिसने स्पष्ट कर दिया कि उन्नाव की अधिवक्ता बिरादरी उनके नेतृत्व में पूरी तरह से एकजुट है।

डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ने आज दोनों तहसीलों में अधिवक्ता साथियों के साथ गहन संगठनात्मक संवाद किया। इन बैठकों का उद्देश्य बार काउंसिल के आगामी चुनाव को लेकर रणनीति बनाना और अधिवक्ताओं की समस्याओं पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम स्थल पर अधिवक्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की भारी उपस्थिति देखने को मिली, जो डॉ. यादव की लोकप्रियता और क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ को दशार्ती है।

उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रत्याशी

डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव क्रम संख्या 325 का गर्मजोशी और उत्साहपूर्वक स्वागत किया। एकजुटता प्रदर्शित करते हुए, सभी ने आगामी चुनाव में उन्हें पूर्ण मत एवं समर्थन देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। अधिवक्ताओं का यह सामूहिक भरोसा दशार्ता है कि डॉ. यादव को उन्नाव में एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में देखा जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर कई प्रभावशाली हस्तियाँ और वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉ. यादव के समर्थन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें प्रमुख रूप से शामिल थे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार यादव, कोषाध्यक्ष अशोक सिंह यादव, एडवोकेट सुखदेव यादव, वैद्य अजय वर्मा, एडवोकेट राहुल सरोज, अश्वनी यादव, अजय गुप्ता, मनोज यादव, रामकिशोर पाल, अभिमन्यु सिंह, केसर सिंह चौहान, अभिजीत सिंह, गुलाब सिंह, ब्रजकिशोर कुशवाहा, रामनरेश यादव, मुनेश्वर वर्मा, यतेंद्र चौधरी, राघवेंद्र यादव, अखिलेश यादव, कमल किशोर द्विवेदी, बाबूराम निषाद, उमेश यादव, आलोक सिंह सोलंकी, राहुल सिंह यादव, हर सिंह बहादुर लोधी, श्रीमती चंद्रा देवी, कुंवर वीरेंद्र सिंह, अजीत सिंह, रमन कुमार शुक्ला, आदित्य कुमार शर्मा, विष्णु कुमार, अरुण कुमार सैनी, विनोद कुमार यादव, रामकिशोर यादव, और रितेश निगम सहित अनेक प्रतिष्ठित अधिवक्ता गण।

यह व्यापक समर्थन इस बात का संकेत है कि डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव बार काउंसिल चुनाव 2026 में उन्नाव का मजबूत प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

गीता जयंती पर होंगे विद्यालयों में विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक आयोजन

संस्कृत भारती की मांग पर जनपद के सभी विद्यालयों में मनाई जाएगी गीता जयंती

मथुरा (जीएनएस)। मार्गशीर्ष शुक्ल मोक्षदा एकादशी पर कल (सोमवार) को श्रीमद्भगवद्गीता जयंती के पुण्य अवसर पर जनपद के समस्त विद्यालयों में भव्य सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन कराए जाएंगे। इस संबंध में संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, न्यास सचिव गंगाधर अरोड़ा, श्यामसुंदर शर्मा, डा. संजय शर्मा, हरस्वरुप यादव और रामदास चतुर्वेदी शास्त्री आदि ने जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह को पत्र देकर गीता जयंती के अवसर पर विद्यालयों में विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित कराए जाने की मांग की है। इसी के साथ आचार्य

ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि युवाओं में संस्कृत भाषा के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिए समय-समय पर विद्यालयों में संस्कृत भाषा में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा का भविष्य उज्ज्वल है, वर्तमान में विश्व के अनेक देशों में संस्कृत भाषा को ज्ञान व विज्ञान की भाषा के रूप में वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकार किया जा रहा है। पत्र में जिला विद्यालय निरीक्षक से मांग की गई है कि मार्गशीर्ष शुक्ल मोक्षदा एकादशी सोमवार को गीता जयंती से पूरे सप्ताह विद्यालय में प्रार्थना के पश्चात छात्र-छात्राओं से कम से कम 5 गीता के श्लोकों का सस्वर पाठ कराया जाए और सप्ताह में गीता पाठ प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, गीता श्लोक लेखन प्रतियोगिता, संस्कृत भाषण प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराए जाएं। जिससे कि छात्र-छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति आकर्षण पैदा हो सके। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने जनपद के सभी विद्यालयों के लिए आदेश पारित किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति सभ्यता और संस्कारों को सुरक्षित रखने के लिए युवाओं को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। श्रीमद्भगवद्गीता का पठन-पाठन करने, विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में आकर्षण पैदा किया जा सकता है। वहीं जनपद के सभी विद्यालयों में गीता जयंती महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मनकामेश्वर इंटर कॉलेज राया के प्रधानाचार्य डा. संजय शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

फुल-ऑन मनोरंजन! जलन से लेकर विंटर कॉमेडी तक

यूपी। लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' और 'हप्पू की उलटन-पलटन' में इस हफ्ते जलन, विरोध, भावनाओं के उतार-चढ़ाव और सर्दियों की मजेदार कॉमेडी का धमाका देखने को मिलेगा। एण्डटीवी पर एक से पांच दिसंबर तक पांच दिनों का नॉनस्टॉप मनोरंजन तय है!

'भाबीजी घर पर हैं' की कहानी के बारे में शुभांगी अत्रे ऊर्फ अंगूरी भाबी ने कहा, "इस हफ़्ते कई दिलचस्प मोड़ देखने को मिलेंगे। सक्सेना (सानंद वर्मा) एक अजीब-सा टॉक शो शुरू करता है, लेकिन मामला तब बिगड़ जाता है जब वह सबके सामने विभूति (आसिफ शेख) की बेइज्जती कर देता है। बेहद दुखी और गुस्साये विभूति की अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) से बहस हो जाती है और वह लखनऊ जाने का फैसला कर लेता है। इधर, तिवारी (रोहिताश्व गौड़) अनजाने में अंगूरी को आलसी

कह देता है, जिससे वह बेहद आहत होती है। अनीता के प्रोत्साहन पर अंगूरी अपने सम्मान के लिए 'गृहिणी सशक्तिकरण' का विरोध शुरू करती है। सक्सेना की मीडिया इस आंदोलन को इतना बढ़ा देती है कि यह एक बड़ा सार्वजनिक अभियान बन जाता है। जैसे-जैसे मामला तूल पकड़ता है, राजनीतिक पार्टियाँ एमएपी और एसएपी अंगूरी को अपने पक्ष में करने की कोशिश करती हैं।

एण्डटीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' के बारे में गीतांजलि मिश्रा ऊर्फ राजेश कहती हैं, "इस हफ़्ते की कहानी सर्दियों की ठिठुरन के साथ शुरू होती है। जब अम्मा (हिमानी शिवपुरी) अपनी बेहद कीमती, यादों से भरी पुरानी रजाई निकालती हैं, तो वह पूरे घर का सबसे खास सामान बन जाती है। मैं (राजेश) जब अम्मा से उनके मोती वाले कान के झुमके मांगती हूँ और वे मना कर देती हैं, तो मैं गुस्से में रजाई को छिपा देती हूँ। लेकिन असली मुसीबत तब आती है जब रजाई सच में गायब हो जाती है। सदमे से अम्मा बेहोश हो जाती हैं, और पूरा परिवार अपराधबोध से भर जाता है।

श्रीमद् भगवद् गीता जयंती समारोह में गीता को राष्ट्रीय धर्मग्रंथ घोषित करने की मांग : तीन दिवसीय समारोह के प्रथम दिवस पर हुआ ग्रंथ पूजन

मथुरा (जीएनएस)। श्रीमद् भागवत कथा आयोजन समिति विद्वत समाज ब्रजमंडल के तत्वावधान में मसानी स्थित सेवादास आश्रम पर श्रीमद् भगवद् गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया। त्रिदिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस पर वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य विद्वत्जनों व जनमानस ने भगवद् गीता का पूजन अर्चन किया। इसके उपरांत मंगलद्वीप प्रज्ज्वलित कर वर्तमान परिपेक्ष्य में गीता की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी हुई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज ने कहा की गीता के उपदेश व शिक्षाएं एक सिद्धांत के रूप में हैं। गीता केवल

धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि सार्वभौमिक ग्रंथ है। इसकी शिक्षाएं किसी धर्म विशेष, जाति विशेष, क्षेत्र विशेष व सम्प्रदाय विशेष के लिए नहीं बल्कि जनकल्याण के लिए हैं। इस संबंध में आचार्य लालजी भाई शास्त्री ने कहा की हमें अपनी भावी पीढ़ी को संस्कृत विषय की शिक्षा अवश्य देनी चाहिए, जिससे वह सारगर्भित रूप से गीता का अध्ययन कर सकें। आचार्य नंदकिशोर शास्त्री ने कहा की कर्म के सिद्धांत को प्रतिपादित करने वाले इस ग्रंथ की भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसकी प्रासंगिकता है।इस मौके पर गोष्ठी में मोहन बाबा एवं समिति अध्यक्ष पंडित शशांक पाठक ने गीता को राष्ट्रीय धर्मग्रंथ घोषित करने की भारत सरकार से मांग का प्रस्ताव रखा है। जिसका सभी ने एक स्वर से समर्थन करते हुए कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता राष्ट्रीय धर्मग्रंथ घोषित होना चाहिए। वहीं पंकज पंडित ने बताया कि समारोह के द्वितीय दिवस पर विद्वानों द्वारा गीता पाठ किया जाएगा। तृतीय दिवस पर गीता का प्रति श्लोकी आहुति महायज्ञ का आयोजन होगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गोष्ठी में विचार व्यक्त करने वालों में रामू बाबा, पंडित विनोद गौड़, संजय पिपरोनिया, गोपाल शास्त्री, तरुण चोंबाल शास्त्री, रवि शास्त्री, पवन शर्मा और अमित शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।